ललित महथा आदर्श महाविद्यालय, कहेड़ी
दरभंगा (L.N.M.U)

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक तृतीय खण्ड
पंचम पत्र - मैथिली साहित्यक इतिहास
आधुनिक काल मात्र

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 03/08/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश

(तेसर भाग)

प्रश्न :- आधुनिक मैथिली नाटकक विकासक रुपरेखा प्रस्तुत करु।

उत्तर :- ....हिनक पश्चात् 1914 ई० मे स्व० ईशनाथ झा 'क 'चीनीक लड्डु' नामक सामाजिक नाटक प्रकाशित भेल। मैथिलीक प्रचलित लोकोक्ति जे खाथि खनैत आथि सरह खसैत आथि, 'केर नाटकीय प्रदर्शन एहिमे निखरल अछि। चरित्र-चित्रण एवं कथोपकथन एहि नाटकमे पूर्ण सबल ओ सजीव भेल अछि। कथोपकथनसँ रोचक बनएबाक लेल हास्य-व्यंगक सेहो एतय समुचित योजना भेल अछि। वर्तमान कुत्सित समाजक चित्र एहिमे पूर्णत: चित्रित भेल अछि। पँ० जीवन झा "सुन्दर-संयोग" नाटक लीखि जाहि प्रणाली दिशि मार्ग दिगदर्शन करओने छलाह, स्व० ईशनाथ झा तकरा पूर्ण प्रशस्त कएल। एकर 14 वर्षक पश्चात् हिनक 'उगना' नाटक प्रकाशित भेल। पात्रानुकूल कथोपकथन द्वारा दर्शकके जाहि रूपें विमोहित लेखक एहि नाटकमे कए सकलाह ताहि रुपें ओ अपन पहिल कृति "चीनीक लड्डू" मे नहि कए सकलाह अछि।

03/09/2020